

1. A 5 (100%)

[illegible][illegible]

6. The first two are the same as the first two in the previous list.

३१२२ को एकलिंगता की मान्यता है  
 ३१२३ का मत है कि एकलिंगता की  
 ३१२४ की दलील एकलिंगता के  
 ३१२५ को एकलिंगता की मान्यता के  
 ३१२६ और ३१२७ का है ३१२८  
 ३१२९ है और एकलिंगता के  
 ३१३० में ३१३१ के प्रति एकलिंगता  
 ३१३२ में ३१३३ के प्रति एकलिंगता  
 ३१३४ का है एकलिंगता के प्रति  
 ३१३५ में एकलिंगता के प्रति एकलिंगता  
 ३१३६ का है एकलिंगता के प्रति

25/9/15 to 30/9/15

इस प्रकार विज्ञान में एक ही विज्ञान के  
विज्ञानों के द्वारा ही विज्ञान  
एक ही विज्ञान के द्वारा ही विज्ञान के

कहना है कि ईश्वरवाद का उदय समग्र  
मानविक ~~उदय~~ उदय की संतुष्टि के लिए  
होता है। ईश्वरवाद का उदय

Page No. \_\_\_\_\_  
Date \_\_\_\_\_

मानवीय और पारमार्थिक दोनों दृष्टि  
में मिलता है। पारमार्थिक दृष्टि में ईश्वर  
उत्तम नाम देकर, बर्कले इत्यादि का  
है। ईश्वर का उदय ईश्वर के लिए  
है। ईश्वर और विश्व का संबंध है। ईश्वर  
विश्व का आधार है। मनुष्य के लिए  
ईश्वर आवश्यक है और ईश्वर के लिए  
मनुष्य। मानवीय विचारों में  
समानुष्य और निम्नमान आदि के बीच  
उत्तर है। समानुष्य के अनुसार ईश्वर  
ही इस मात्र प्रमाण है। वह अनन्त  
ज्ञान और प्रेम गुणों से युक्त है। ईश्वर  
विश्व का उत्पादक और नियंत्रण दोनों  
कारण है।

समानुष्य की तरह निम्नमान का  
कहना है कि ईश्वर प्रत्यक्ष रूप से प्रमाण  
नहीं है। ईश्वर हमें प्रकाश के  
कलमों वाली गुणों से युक्त है। ईश्वर  
वादी दार्शनिकों का कहना है कि ईश्वर  
विश्व में लागू है। विश्व की उत्पत्ति  
ईश्वर की प्रेरणा से ही सम्भव है।  
ईश्वरवाद यह भी कहता है कि ईश्वर  
कलमों वाली आवृत्ति है जो ईश्वर मनुष्य  
के प्रति उदात्त और कल्याणकारी है।